



सात दीपक

समूची मानवता को दिए गए सात नियम।

सात नियम, जो हर मनुष्य पर बंधनकारी माने जाते हैं—किसी एक जाति पर नहीं, किसी एक धर्म पर नहीं। परंपरा इन बातों को पहले मनुष्य से कहे गए एक ही पद, बेरेशीत 2:16 से पढ़ती है, और उन्हें सनहेद्रिन 56b तथा रम्बम की हिल्खोत मेलाखीम 9:1 में रखती है।

- 1 एक ही परमेश्वर को पहचानें, और किसी और की उपासना न करें
अवोदा ज़ारा — पराई सेवा עבודה זרה
 - 2 परमेश्वर के नाम के साथ आदर से व्यवहार करें
बिरकत हाशेम — नाम को आशीष देना ברכת השם
 - 3 हत्या मत करो
शफ़ीख़ुत दामीम — रक्त बहाना שפיכות דמים
 - 4 देह और परिवार की सीमाओं की रक्षा करें
गिलुई अरायोत — नग्नता का उघाड़ना גילוי ערויות
 - 5 चोरी मत करो
गेज़ेल — खुली लूट גזל
 - 6 जीवित पशु का माँस मत खाओ
एवेर मिन हाहाय — जीवित से एक अंग אכר מן החי
- छह रोकते हैं। सातवाँ बनाता है।
- 7 न्याय की अदालतें स्थापित करें
दिनीम — न्याय-निर्णय דינים

दो कमरे, वही मेज़, वही कुर्सियाँ, वही रोटी। पहले में किसी ने कमरा अपने ही मन के अनुसार सजाया। दूसरे में किसी ने उसे इसलिए तैयार किया कि अतिथि आने वाला है। हर ब्योरा एक जैसा है। केवल एक घर है, और अंतर कमरे में नहीं है।

पूरी पुस्तक निःशुल्क पढ़ें: seven-lights.vercel.app

अध्ययन और मनन के लिए प्रस्तुत। यह हलाखा का प्राधिकार नहीं है। यह रब्बी के मार्गदर्शन का स्थान नहीं लेता।
आरोन अबुश, Sacred Bridge Collective। पढ़ने, बाँटने और अनुवाद के लिए मुक्त, बिक्री के लिए नहीं।